भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
मौखिक प्रश्न संख्या : 49
गुरुवार, 28 नवंबर, 2024/7 अग्रहायण, 1946, (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

कार्यात्मक हवाई अड्डे और हवाई पट्टियाँ

***49. श्री कृपानाथ मल्लाह:**
श्री नागेश बापुराव अष्टिकर पाटिल:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) वर्तमान में देश में कितने कार्यशील हवाई अड्डे/हवाई पट्टियां हैं;

(ख) उक्त कार्यशील हवाई अड्डों/हवाई पट्टियों में से कितने हवाई अड्डों/हवाई पट्टियों का निर्माण 2014 के बाद किया गया है;

(ग) वर्ष 2014 से घरेलू विमान यात्री यातायात से सम्बन्धित आंकड़ों का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) इस वर्ष सबसे अधिक घरेलू यात्रियों की संख्या वाले दस हवाई अड्डों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) हवाई यात्रा को नागरिकों के लिए और अधिक किफायती बनाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्री (श्री किंजरापु राममोहन नायडू)

(क) से (ड.): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

"कार्यात्मक हवाई अड्डे और हवाई पट्टियाँ" के संबंध में श्री कृपानाथ मल्लाह और श्री नागेश बापुराव अष्टिकर पाटिल द्वारा पूछे गए लोक सभा के दिनांक 28.11.2024 के मौखिक प्रश्न संख्या 49 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क): वर्तमान में, देश में 157 प्रचालनिक एयरोड्रोम (हेलीपोर्ट और वाटर एयरोड्रोम सहित) हैं।

(ख): वर्ष 2014 से अब तक, देश में 83 एयरोड्रोमों का निर्माण किया गया/ प्रचालनिक बनाया गया है।;

(ग): वर्ष 2014 से देश के हवाईअड्डों पर संभाले गए घरेलू हवाई यात्री यातायात का वर्ष-वार ब्यौरा अनुलग्नक-I में दिया गया है।

(घ): वर्तमान वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अक्टूबर, 2024 तक के अनंतिम आंकड़ों के आधार पर सबसे अधिक घरेलू यात्रियों वाले दस हवाईअड्डों का विवरण अनुलग्नक-II में दिया गया है।

(ङ): नागर विमानन मंत्रालय ने क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ावा देने और आम जनता के लिए हवाई यात्रा को किफायती बनाने के लिए क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस)-उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) की शुरुआत की है। आरसीएस-उड़ान योजना का उद्देश्य टियर-2 और टियर-3 शहरों की बड़ी आबादी के लिए हवाई यात्रा को अधिक सुलभ और किफायती बनाना है। इस योजना ने घरेलू विमानन बाजार का विस्तार किया है, जिससे हवाई यात्रियों की संख्या और उड़ान आवृत्तियों में वृद्धि हुई है। अब तक 13 हेलीपोर्टों और 02 वाटर एयरोड्रोमों सहित 86 हवाईअड्डों को जोड़ने वाले 609 मार्गों को प्रचालनिक बनाया गया है। उड़ान योजना के अंतर्गत 2.83 लाख उड़ानों के माध्यम से 144 लाख से अधिक घरेलू यात्रियों ने यात्रा की है।

हवाई यातायात में प्रत्याशित वृद्धि से निपटने के लिए, भाविप्रा और अन्य हवाईअड्डा प्रचालकों ने अन्य गतिविधियों के अलावा ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों और नए टर्मिनलों के निर्माण, मौजूदा टर्मिनलों के विस्तार और आधुनिकीकरण और रनवे को सुदृढ़ बनाने के लिए राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी) के अंतर्गत वर्ष 2019-24 के दौरान हवाईअड्डा क्षेत्र में 91,000 करोड़ रुपए से अधिक के पूंजीगत परिव्यय का लक्ष्य रखा है और इस पर पहले ही लगभग 81300 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। देश में प्रचालनिक हवाईअड्डों की कुल संख्या बढ़कर 157 हो गई है, जिनकी संयुक्त क्षमता प्रति वर्ष 530 मिलियन यात्रियों (एमपीपीए) को संभालने की है, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में वास्तविक यात्री संख्या 220 मिलियन थी। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने प्रमुख हवाईअड्डों पर प्रदान की जाने वाली वैमानिकी सेवाओं के लिए शुल्क निर्धारण हेतु एक स्वतंत्र आर्थिक विनियामक अर्थात भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण (ऐरा) की स्थापना की है, जिसका उद्देश्य सेवा प्रदाता और अंतिम उपयोगकर्ता के हितों के बीच इष्टतम संतुलन स्थापित करना है तथा यह सुनिश्चित करना है कि हवाईअड्डा प्रचालक निवेश पर युक्तिसंगत प्रतिफल के साथ हवाईअड्डे का अनुरक्षण और प्रचालन करे।

*****

अनुलग्नक–I

लोक सभा के दिनांक 28.11.2024 के मौखिक प्रश्न संख्या 49 के भाग (ग) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

अनुसूचित घरेलू परिचालनों के लिए अनुसूचित भारतीय प्रचालकों द्वारा वहन किए गए यात्रियों की संख्या का विवरण	
वर्ष	**यात्री (संख्या में)**
2014	66,772,641
2015	80,753,743
2016	99,475,474
2017	116,775,928
2018	138,698,284
2019	143,736,256
2020	62,858,348
2021	82,745,079
2022	123,242,014
2023	152,040,530
2024(पी)-(अक्टूबर 2024 तक)	132,148,887

अनुलग्नक–II

लोक सभा के दिनांक 28.11.2024 के मौखिक प्रश्न संख्या 49 के भाग (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

क्रम सं.	**वर्ष 2024 (पी) में शीर्ष 10 घरेलू हवाईअड्डे- (अक्टूबर 2024 तक)**	**यात्री (संख्या में)**
1	दिल्ली	46,058,788
2	मुंबई	32,111,146
3	बेंगलुरु	28,746,030
4	हैदराबाद	18,813,052
5	कोलकाता	15,154,491
6	चेन्नई	13,132,837
7	अहमदाबाद	8,576,305
8	पुणे	8,361,082
9	डाबोलिम	5,316,402
10	गुवाहाटी	5,007,414
(पी)- अनंतिम		